



Mr.shiv Kant Mishra



Ms.surjani narjinari

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119731801

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/07/1953 :	जन्म तिथि	: 24/05/1991
बुधवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 10:38:00 :	जन्म समय	: 08:38:00 घंटे
घटी 13:22:01 :	जन्म समय(घटी)	: 08:39:03 घटी
India :	देश	: India
Jaunpur :	स्थान	: Gauhati
25:44:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:10:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व :	रेखांश	: 91:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44 :	स्थानिक संस्कार	: 00:37:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:17:11 :	सूर्योदय	: 04:37:13
18:52:51 :	सूर्यास्त	: 18:06:33
23:12:44 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:44:27
कन्या :	लग्न	: कर्क
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
सिंह :	राशि	: कन्या
सूर्य :	राशि-स्वामी	: बुध
पू०फाल्गुनी :	नक्षत्र	: हस्त
शुक्र :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
1 :	चरण	: 3
व्यतिपात :	योग	: सिद्धि
विष्टि :	करण	: विष्टि
मो-मोहन :	जन्म नामाक्षर	: ण--
कर्क :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
क्षत्रिय :	वर्ण	: वैश्य
वनचर :	वश्य	: मानव
मूषक :	योनि	: महिष
मनुष्य :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: आद्य
मूषक :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
शुक्र 16वर्ष 7मा 17दि
गुरु

03/03/2011

03/03/2027

गुरु	20/04/2013
शनि	01/11/2015
बुध	06/02/2018
केतु	13/01/2019
शुक्र	13/09/2021
सूर्य	02/07/2022
चन्द्र	01/11/2023
मंगल	07/10/2024
राहु	03/03/2027

अंश

08:59:29
29:12:11
15:34:45
27:18:16
14:40:50
21:56:43
14:59:09
27:43:07
10:03:20
10:03:20
25:47:18
27:56:13
28:44:15

राशि

कन्या
मिथु
सिंह
मिथु
कर्क
वृष
वृष
कन्या
मक
कर्क
मिथु
कन्या
कर्क

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

कर्क
वृष
कन्या
कर्क
मेष
कर्क
मिथु
मक
धनु
मिथु
धनु
धनु
तुला

अंश

04:41:32
08:44:04
19:08:25
04:52:05
15:47:02
14:04:06
22:48:09
13:03:42
26:22:00
26:22:00
19:33:56
22:42:15
24:51:44

विंशोत्तरी
चन्द्र 3वर्ष 1मा 22दि
गुरु

16/07/2019

16/07/2035

गुरु	02/09/2021
शनि	15/03/2024
बुध	21/06/2026
केतु	28/05/2027
शुक्र	26/01/2030
सूर्य	14/11/2030
चन्द्र	15/03/2032
मंगल	19/02/2033
राहु	16/07/2035

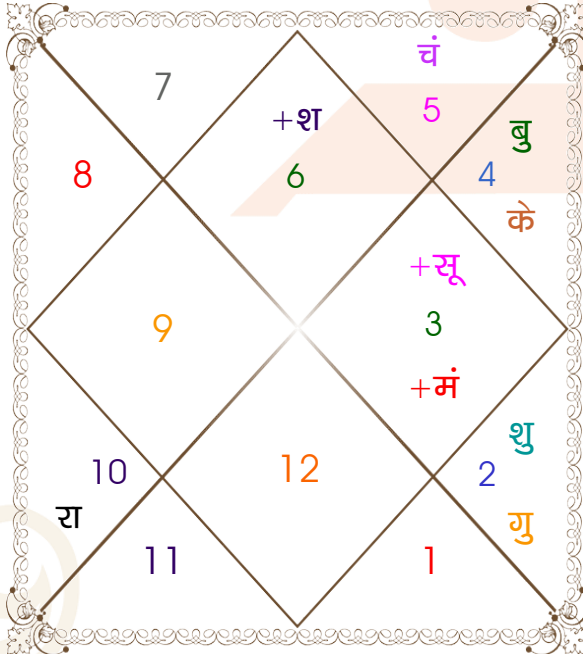
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

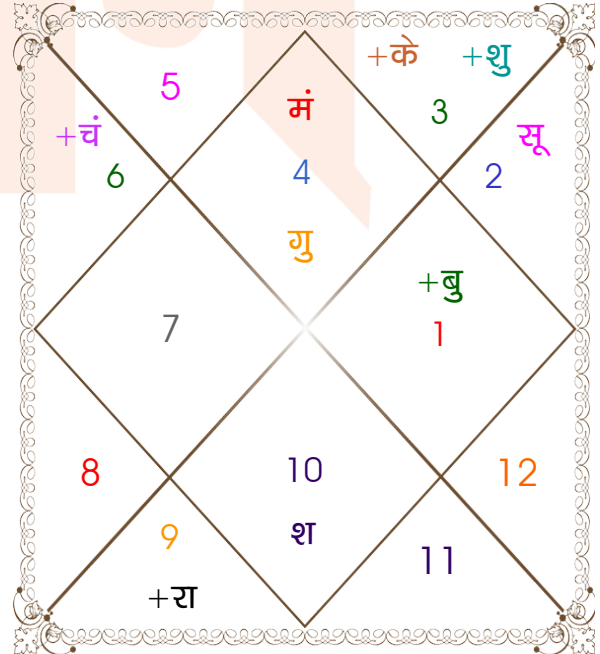
राहु : स्पष्ट

23:12:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:27

लग्न-चलित



लग्न-चलित



Narayan Jyotish Sanathan

+919868145834

mishrashivkant@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

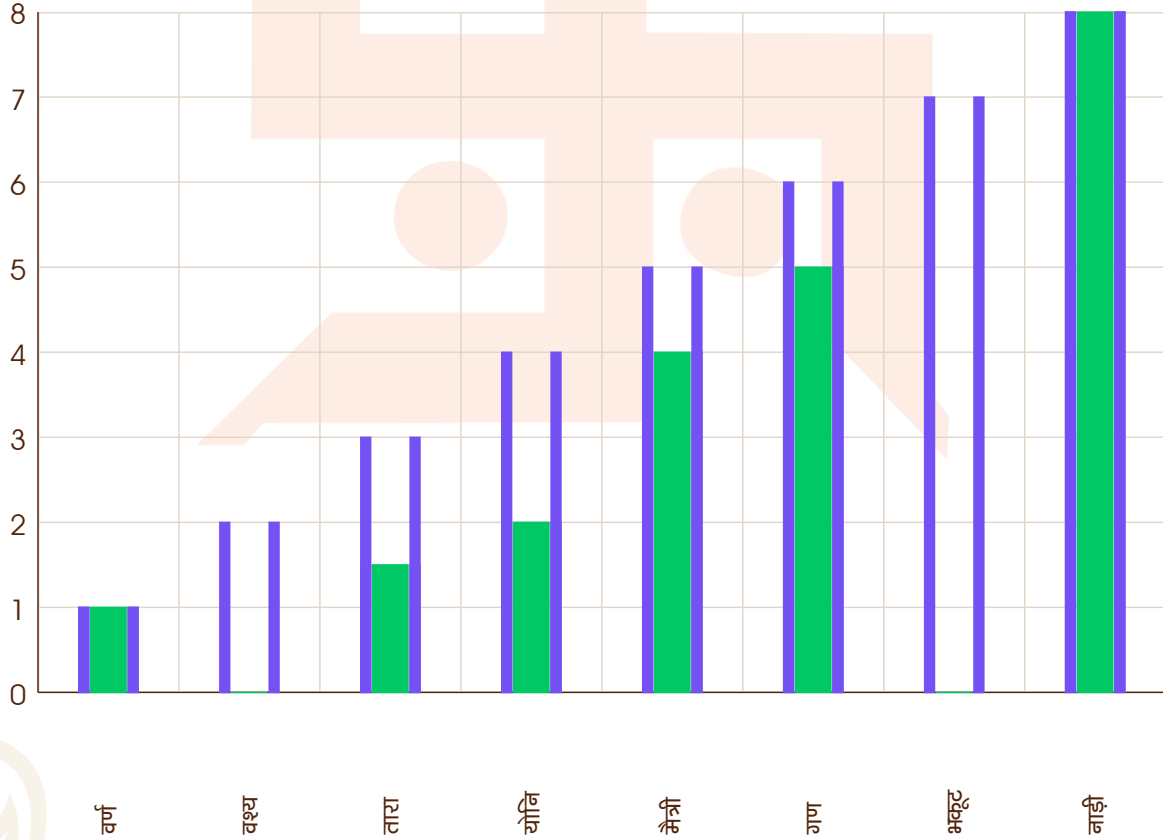
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

21.50

कुल : 21.5 / 36



Narayan Jyotish Sanathan

+919868145834

mishrashivkant@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं का वर्ग मूषक है तथा Ms.surjani narjinari का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणेपअ इंद्रज डपीतं मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.surjani narjinari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ट;थड्मजतवह;०द्धझ०द्धझ क्योंकि मंगल Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतणेपअ इंद्रज डपीतं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं तथा Ms.surjani narjinari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

इतणैपअ झंदज डपैतं का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms.surjani narjinari आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms.surjani narjinari की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

इतणैपअ झंदज डपैतं का वश्य वनचर है एवं Ms.surjani narjinari का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। इतणैपअ झंदज डपैतं और Ms.surjani narjinari के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

इतणैपअ झंदज डपैतं की तारा मित्र तथा Ms.surjani narjinari की तारा विपत है। Ms.surjani narjinari की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान इतणैपअ झंदज डपैतं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.surjani narjinari का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठाएंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

इतणैपअ झंदज डपैतं की योनि मूषक है तथा Ms.surjani narjinari की योनि महिष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच

आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में इतनेपअ इंद्रज डपीतं का राशि स्वामी Ms.surjani narjinari के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.surjani narjinari का राशिस्वामी इतनेपअ इंद्रज डपीतं के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

इतनेपअ इंद्रज डपीतं का गण मनुष्य तथा Ms.surjani narjinari का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.surjani narjinari सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर इतनेपअ इंद्रज डपीतं व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण इतनेपअ इंद्रज डपीतं अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

डतणेपअ इंंदज डपेतं से Ms.surjani narjinari की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms.surjani narjinari से डतणेपअ इंंदज डपेतं की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतणेपअ इंंदज डपेतं गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms.surjani narjinari समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतणेपअ इंंदज डपेतं शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

डतणेपअ इंंदज डपेतं की नाड़ी मध्य है तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतणेपअ इंद्रज डपीतं की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा Ms.surjani narjinari की राशि भूमितत्व युक्त कन्या है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari की स्वभाव में असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में मधुरता का अभाव होगा तथा मतभेद एवं विरोध का भाव बना रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Ms.surjani narjinari की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से आप यत्नपूर्वक स्वभावगत मतभेदों को दूर करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा किंचित मात्रा में सुख के क्षण प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। ये दोनों एक दूसरे के प्रति समर्पण सम्मान एवं सहयोग के भाव को प्रदर्शित करेंगे।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा तथा यदा कदा डतणेपअ इंद्रज डपीतं के उग्रता के कारण पारिवारिक शांति भंग होगी। साथ ही डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari दोनों के मन में श्रेष्ठता की भावना का प्रादुर्भाव होगा फलतः संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari सहनशीलता एवं बुद्धिमता से कार्य ले तो इसमें सफलता की आशा की जा सकती है।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं का वश्य वनचर तथा Ms.surjani narjinari का वश्य मानव है। इन दोनों के मध्य नैसर्गिक भिन्नता तथा शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरुचियों में अंतर रहेगा। साथ ही मानसिक शारीरिक तथा भावनात्मक स्तर पर भिन्नता रहेगी तथा दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतणेपअ इंद्रज डपीतं का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण वैश्य है। अतः डतणेपअ इंद्रज डपीतं साहसी एवं पराकमी कार्यों को करने में प्रवृत्त रहेंगे जबकि Ms.surjani narjinari की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति रहेगी एवं व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को सम्पन्न करके आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करेंगी।

धन

डतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा

आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms.surjani narjinari की प्रवृत्ति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही इतणेपअ इंद्रज डपौतं भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari को अपनी ऐसी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

इतणेपअ इंद्रज डपौतं की नाड़ी मध्य तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से इतणेपअ इंद्रज डपौतं रक्त तथा पित्त विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबंधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए इतणेपअ इंद्रज डपौतं को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.surjani narjinari का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.surjani narjinari के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.surjani narjinari सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा इतणेपअ इंद्रज डपौतं और Ms.surjani narjinari को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमत्ता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी

आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार इतणेपअ इंद्रज डपीतं और Ms.surjani narjinari का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.surjani narjinari के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.surjani narjinari के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.surjani narjinari अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.surjani narjinari के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

इतणेपअ इंद्रज डपीतं के सास से सामान्यतया मधुर संबंध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरानुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबंध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में इतणेपअ इंद्रज डपीतं के संबंध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण इतणेपअ इंद्रज डपीतं के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा इतणेपअ इंद्रज डपीतं भी मधुर संबंधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।